भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या - *103

उत्तर देने की तारीख- 28/07/2025

सोमवार, 6 श्रावण, 1947 (शक)

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित/नियोजित युवाओं की स्थिति

*103. श्री बाल्या मामा सुरेश गोपीनाथ म्हात्रे:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले पाँच वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत कितने युवाओं को प्रशिक्षित और नियोजित किया गया है;

(ख) क्या यह योजना केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित है और ग्रामीण युवा इसके फायदों से वंचित हैं और यदि हाँ, इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या कौशल विकास योजनाओं के अंतर्गत प्रशिक्षित युवाओं का एक बड़ा प्रतिशत अभी भी बेरोजगार है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (घ): सदन के पटल पर एक विवरण रख दिया गया है।

'पीएमकेवीवाई के अंतर्गत प्रशिक्षित/नियोजित युवाओं की स्थिति' के संबंध में दिनांक 28.07.2025 को लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *103 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (घ): कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) वर्ष 2015 से अपनी प्रमुख योजना प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) का क्रियान्वयन कर रहा है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों सहित देश भर के युवाओं को अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण और पूर्व-अधिगम मान्यता (आरपीएल) के माध्यम से कौशल उन्नयन एवं पुनर्कौशल प्रदान करना है। पीएमकेवीवाई के अंतर्गत, पिछले पाँच वित्त वर्षों (2020-21 से 2024-25) के दौरान 53,62,012 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित/उन्मुख किया गया है ।

पीएमकेवीवाई के अंतर्गत, योजना के पहले तीन संस्करणों, पीएमकेवीवाई 1.0 (2015-16), पीएमकेवीवाई 2.0 (2016-20) और पीएमकेवीवाई 3.0 (2020-22) में अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) घटक के अंतर्गत प्लेसमेंट पर नज़र रखी गई। पीएमकेवीवाई के पहले तीन संस्करणों के अंतर्गत, 56.89 लाख एसटीटी प्रमाणित उम्मीदवारों में से, 24.3 लाख उम्मीदवारों को प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है, जो 43% है ।

पीएमकेवीवाई 4.0 (2022-26) के अंतर्गत, प्रशिक्षित उम्मीदवारों को अपने विविध करियर पथ चुनने और उपयुक्त रूप से उन्मुख होने के लिए सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके अलावा, रोजगार के अवसरों को सक्षम करने के लिए, स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) प्लेटफॉर्म को वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म के रूप में लॉन्च किया गया है जो विभिन्न हितधारकों को लक्षित करते हुए आजीवन सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करने के लिए कौशलीकरण, शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता इको-सिस्टम प्रणालियों को एकीकृत करता है। प्रशिक्षित उम्मीदवारों का विवरण संभावित नियोक्ताओं से जुड़ने के लिए सिद्ध पोर्टल पर उपलब्ध है। इसके अलावा, उम्मीदवार इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से नौकरियों और शिक्षुता के अवसरों तक पहुँच प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ऑन-जॉब-ट्रेनिंग (ओजेटी) को पीएमकेवीवाई का एक अंतर्निहित घटक बनाया गया है। नियोक्ताओं और उम्मीदवारों के बीच सक्रिय बातचीत सुनिश्चित करने के लिए, देश भर में रोजगार मेले आयोजित किए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) के अंतर्गत, जो संरचित शिक्षुता प्रशिक्षण के माध्यम से औपचारिक शिक्षा से रोजगार में निर्बाध परिवर्तन के लिए सक्षम बनाती है, दिनांक 30.06.2025 तक 44.91 लाख शिक्षुओं को नियोजित किया जा चुका है। जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) योजना, एक समुदाय-संचालित कौशलीकरण योजना है, जिसका उद्देश्य महिलाओं और समुदाय के अन्य कमजोर वर्गों की आजीविका में सुधार लाना है, इसके अंतर्गत दिनांक 31.03.2025 तक 30.93 लाख उम्मीदवारों को प्रशिक्षित और स्वरोजगार के लिए उन्मुख किया जा चुका है।

इसके अलावा, पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत, दिनांक 30.06.2025 तक, अठारह (18) ट्रेडों में 23.20 लाख कारीगरों और शिल्पकारों का कौशलोन्नयन किया गया है।

*****